भारत – डिजीबाउटी संबंध

प्रस्तावना :

भारत और डिजीबाउटी के बीच ऐतिहासिक संपर्क, सांस्कृतिक भाई-चारा एवं जन दर जन संपर्क 1947 में भारत की आजादी तथा 1977 में डिजीबाउटी की आजादी के पहले से ही लंबे समय से मौजूद हैं। भारत के मानद कांसुल ने 1969 से डिजीबाउटी में काम करना शुरू कर दिया है। डिजीबाउटी ने 2004 में नई दिल्ली में अपना दूतावास और 2006 में मुंबई में एक कांसुलेट खोला।

भारत - डिजीबाउटी संबंध

भारत और डिजीबाउटी के संपर्क प्राचीन काल से चले आ रहे हैं। अदूलिस बंदरगाह समुद्री व्यापार का केंद्र हुआ करता था जहां भारतीय मछुआरे मसालों एवं सिल्क का व्यापार गोल्ड एवं आइवरी के बदले में करते थे। डिजिबाउटी विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार लाने का इच्छुक है।

डिजिबाउटी ने यमन से भाग रहे भारतीयों को निकालते समय आपरेशन राहत के दौरान असाधारण मदद प्रदान की है। संघर्ष से प्रभावित यमन में सामान्य स्थिति बहाल होने तक यमन स्थित भारतीय दूतावास को डिजिबाउटी अपने यहां होस्ट भी कर रहा है।

भारत के पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं तथा भारत विशेष रूप से सोमाली बोलने वाली आबादी, जिनमें से अनेक को भारतीय शिक्षकों द्वारा पढ़ाया गया है, के विकास में योगदान दे रहा है।

आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत वर्ष 2015-16 के लिए डिजिबाउटी को 25 लाख आवंटित किए गए हैं जिसमें से 6 का उपयोग कर लिया गया है। हम भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों के तहत पढ़ाई करने के लिए डिजिबाउटी के नागरिकों को आई सी सी आर की छात्रवृत्ति के तहत भी 11 स्लाट प्रदान करते हैं। डिजीबाउटी ने टेलीमेडिसीन एवं टेली-एजुकेशन पर अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के कार्यान्वयन के लिए टेलीकम्युनिकेशन कंसल्टेंट ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। उम्मीद है कि यह परियोजना शीघ्र पूरी हो जाएगी। साझे सरोकार के मुद्दों तथा विकासशील देशों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर हमारी धारणाओं में समानताएं हैं।

द्विपक्षीय यात्राएं :

डिजीबाउटी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री इस्माइल उमर गुलेह ने मई, 2003 में भारत का राजकीय दौरा किया। उनके साथ विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री, रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री और सार्वजनिक निर्माण एवं सार्वजनिक परिवहन मंत्री भी आए थे। आधिकारिक शिष्टमंडल के साथ एक 30 सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल भी आया था।

व्यापार एवं उद्योग मंत्री श्री रिफ्की अब्दौलकादेर बमाखरामा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 19 से 21 मार्च, 2008 के दौरान नई दिल्ली में सी आई आई – एक्जिम बैंक बैठक में भाग लिया। डिजिबाउटी के दो

उम्मीदवार इस शिखर बैठक के सिलसिले में विशेष आई टी ई सी नामांकन कार्यक्रम के तहत डब्ल्यू टी ओ कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भी भारत गए।

भारतीय पोत ट्रांजिट पर तथा यूएस एवं फ्रांस की नेवी के साथ संयुक्त अभ्यास के लिए डिजीबाउटी के बंदरगाह पर नियमित रूप से पहुंचते हैं। भारतीय पोतों की यात्रा का डिजीबाउटी लगातार स्वागत करता रहा है। अदेन की खाड़ी तथा लाल सागर में जल दस्युता की समस्या से निपटने के लिए भारत जल दस्युतारोधी गश्त के लिए तथा चारों ओर गश्त लगाने के लिए नवंबर, 2008 से नौसेना के अपने पोतों को भेजता रहा है। इसके अलावा खाड़ी में जल दस्युता रोधी अभियानों के लिए ओ टी आर के लिए भारतीय नौसेना के अनेक जलयान डिजिबाउटी के दौरे पर जा रहे हैं।

डिजिबाउटी गणराज्य के विदेश तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री महामहिम श्री महमूद अली यूसुफ के साथ डिजिबाउटी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री इस्माइल उमर गुलेह ने नई दिल्ली में आई ए एफ एस 3 में भाग लेने के लिए अक्टूबर 2015 में भारत का दौरा किया।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधियां एवं करार

द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार (बी आई पी पी ए) पर नई दिल्ली में 19 मई, 2003 को हस्ताक्षर किया गया।

नागर विमानन करार पर हस्ताक्षर नई दिल्ली में 19 मई, 2003 को किया गया।

भारत और डिजीबाउटी के बीच सांस्कृतिक सहयोग करार पर हस्ताक्षर 31 जनवरी, 1989 को किया गया तथा 2003 – 2005 के लिए सांस्कृतिक, शिक्षा एवं वैज्ञानिक सहयोग के लिए कार्यपालक कार्यक्रम पर हस्ताक्षर 19 मई, 2003 को नई दिल्ली में किया गया।

अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क करार पर टी सी आई एल एवं डिजीबाउटी के बीच हस्ताक्षर 21 जून, 2006 को किया गया।

भारत के साथ आर्थिक संबंध : डिजिबाउटी सरकार आमतौर पर भारतीय निवेश एवं व्यवसाय को प्रोत्साहित करती है और बढ़ावा देती है। डिजिबाउटी के छोटे क्षेत्रफल और कम आबादी को देखते हुए, भारतीय कंपनियों द्वारा अभी तक डिजिबाउटी में कोई सीधा निवेश नहीं किया गया है, दुबई से भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारियों को छोड़कर जो डिजिबाउटी के लाजिस्टिक सेक्टर में निवेश निरंतर बढ़ा रहे हैं। विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, लघु उद्योग, पोर्टेबल विद्युत उत्पादन, मछली पालन तथा जल संसाधन विकास के क्षेत्रों में भारत के साथ आर्थिक एवं विकास साझेदारी विकसित करने में डिजीबाउटी की गहरी रूचि है। है। भारत ने डिजिबाउटी की विकास परियोजनाओं में डिजिबाउटी सरकार के साथ सक्रियता से सहयोग किया। भारत सरकार द्वारा चार ऋण सहायता (एल ओ सी) प्रदान की गई है जिसकी कुल राशि 50 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। यह ऋण सहायता अली साबेह, जो डिजीबाउटी का सबसे बड़ा शहर है, तथा डिजीबाउटी से लगभग 150 किमी की दूरी पर स्थित है, में निर्मित की जा रही अली साबेह सीमेंट परियोजना के वित्त पोषण के लिए है। भारतीय एग्जिम बैंक के एल ओ सी करार पर हस्ताक्षर करने के लिए

डिजिबाउटी के अर्थ और वित्त मंत्री ने 8 से 11 मार्च 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। ग्रामीण विद्युतीकरण के क्षेत्र में डिजीबाउटी में ग्रामीण विद्युतीकरण के पुनर्वास कार्य के लिए इरकॉन ने संभाव्यता अध्ययन किया है। मैसर्स क्रिलोस्कर ने विद्युत उत्पादन के लिए जेनरेटर सेट की आपूर्ति की

द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है तथा यह भारत के पक्ष में है। 2014-15 में, व्यापार 239.43 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था (भारत का निर्यात : 237.96 मिलियन अमरीकी डालर और भारत का आयात : 1.47 मिलियन अमरीकी डालर)। डिजीबाउटी के साथ अधिकांश व्यापार वास्तव में इथोपिया में बढ़ते बाजार की आवश्यकताएं पूरी करता है। भारतीय निर्यात की जिन वस्तुओं में वृद्धि हुई है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : लोहा एवं इस्पात उत्पाद, पेपर एवं प्लास्टिक उत्पाद।

भारतीय समुदाय :

डिजीबाउटी में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या 600 के आसपास है जिसमें उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। उनमें से अधिकांश गुजरात एवं केरल के हैं। स्व. श्री जे जे कोठारी, जो वर्तमान भारतीय मानद कोंसुल के दादा हैं, उन दस व्यक्तियों में से एक थे जो सबसे पहले 1919 में डिजिबाउटी आए और जहाजरानी एवं आयात का कारोबार शुरू किया। चौथी कक्षा के स्तर तक भारतीय स्कूल के फ्रेंच नागरिक भी हैं। राजदूत डिजिबाउटी में भारतीय समुदाय के साथ नियमित रूप से बैठक करते हैं, जब भी वह देश के दौरे पर जाते हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, अदिस अबाबा की वेबसाइट :
http://www.indembassyeth.in/
भारतीय दूतावास, अदिस अबाबा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/EmbassyofIndiaAddisAbaba
इंडिया ग्लोबल- भारत और ईथोपिया के रिश्तों को प्रदर्शित करता एआईआर एफएम गोल्ड का कार्यक्रम:
http://www.youtube.com/watch?v=CoitlgLeBS8
ट्विटर : इंडियाइन इथोपिया

***

जनवरी, 2016